

21/10/24 भाविकता पापीगण अनु. 1 भाविकता
विपत्ती उप. 1 आयाप लतापारी गरी
भाविक. पापी अधिका पापी स्वयं
उप. रिफ्रे नही हुआ अतः पापी
डा डा. पत्र अदम हाजरी, अदम
पैरवी मे खारीज किया जाता है
~~उप.~~ मूल वाड 128/22 के नाथ
संबन्ध हो। पत्रावली फ़ोनल शुमार
होकर नम्बर से उम हो।

(बीनू देवल)

सहायक क्लर्क एव
उपस्थित अधिकारी
चिचौड़ा (सज.)